ECHO OF HIS CALL

HINDI

बुलावे की प्रतिध्वनि

India's National Spiritual Newspaper

₹ 10/-

REACHING NATIONS

Published monthly in ENGLISH, TAMIL, MALAYALAM, TELUGU, HINDI, KANNADA, MARATHI, BENGALI, GUJARATI, ODIYA, ASSAMESE, PUNJABI, NEPALI, URDU, SINHALA & AFRIKAN

Editor : S. SAM SELVA RAJ | 16 Languages | Associate Editor : Sis. DOROTHY S. THOMAS

Vol. XXX YEAR OF OUR LORD JESUS CHRIST, 2025 JULY No.08

पवित्र बाइबल!
इन वचनों को याद करें
परमेश्वर की स्तुति हो
भजन 27:1-6

1 हे यहोवा हमारे प्रभु, तेरा नाम सारी पृथ्वी पर क्या ही प्रतापमय है! तू ने अपना वैभव स्वर्ग पर दिखाया है।
2 तू ने अपने बैरियों के कारण बच्चों और दूध पिउवों के द्वारा सामर्थ्य की नींव डाली है, ताकि तू शत्रु और पलटा लेनेवालों को रोक रखे।
3 जब मैं आकाश को, जो तेरे हाथों का कार्य है, और चंद्रमा और तारागण को जो तू ने नियुक्त किए हैं, देखता हूँ;
4 तो फिर मनुष्य क्या है कि तू उसका स्मरण रखे, और आदमी क्या है कि तू उसकी सुधि ले?
5 क्योंकि तू ने उसको परमेश्वर से थोड़ा ही कम बनाया है, और महिमा और प्रताप का मुकुट उसके सिर पर रखा है।
6 तू ने उसे अपने हाथों के कार्यों पर प्रभुता दी है; तू ने उसके पाँव तले सब कुछ कर दिया है :
7 सब भेड़-बकरी और गाय-बैल और जितने वनपशु हैं,
8 आकाश के पक्षी और समुद्र की मछलियाँ, और जितने जीव-जन्तु समुद्रों में चलते फिरते हैं।
9 हे यहोवा, हे हमारे प्रभु, तेरा नाम सारी पृथ्वी पर क्या ही प्रतापमय है।

आप फल लाने के लिए चुने गए हैं!?

YOU ARE CHOSEN TO BEAR FRUIT!

बहन एन्जल

हमारे प्रभु और उद्धारकर्ता यीशु मसीह के अतुल्य नाम में आपका अभिवादन!

मैं परमेश्वर का धन्यवाद और स्तुति करती हूं कि उसने बड़े अनुग्रह से` के दूसरे भाग में प्रवेश करने हेतु हमें मौका दिया। परमेश्वर के विश्वासयोग्यता महान है!

जब हम इस वर्ष में आगे बढ़ते हैं, तो मैं सोचती हूं कि हम में से कितनों ने हमारे नए वर्ष के संकल्प को अब तक थामें रखा है। आज हम जो हैं वह हमारे निर्णय और चुनाव का जो हमने कल किए थे परिणाम है। उसी तरह हम कल कहां होंगे यह हमारे आज के निर्णय पर निर्भर है। हर चुनाव या फैसले के परिणाम होते हैं।

प्रतिदिन हमें अनगिनत निर्णय का सामना करना पड़ता है- क्या खाएं, क्या पहनें, कहां काम पर जाएं आदि। हम अक्सर बिना अनजाने सैकड़ों चुनाव करते हैं।

इन सारे निर्णय के मध्य, यीशु मसीह की आवाज को यह कहते हुए सुनें : "मैंने तुम्हें चुना है!"

पृष्ठ 3 मे क्रमश:...

एको ऑफ हिज़ कॉल

5 मिनिट का संदेश!!

यू ट्यूब *मसीही चैनल!*

तुम्हें पास्टर एस. सैम सिल्वा राज के साथ प्रार्थना करने का अवसर मिलेगा!

अंग्रेजी, हिन्दी, तमिल और तेलूगू

प्रतिदिन सुबह 2 *बजे*

तमिल रविवार सभा - सुबह 8:30 बजे

* Please Subscribe and Share *

ECHO OF HIS CALL - (1969-2019 GOLDEN JUBILEE YEAR)

from your dearly beloved brother...

REACHING NATIONS

OUR MISSION POLICY

We should expound and teach the contemporary generation the undiluted teachings of the ancient and early Apostles. It is the need of the hour.

HON. EDITOR-IN-CHIEF

Rev. Angeline S. Kumari, M.A., M.Sc., M.Ed.

EX MANAGING EDITOR

Pastor Alex Samson Sam, B.Th., M.Div.

GENERAL MANAGER

Bro. N. Prakasam, M.A., M.Sc.(C&P), PGDHRM, MBA.

ADMINISTRATION

Sis. Jesy Veena Sam
Adv. K. Puratchivendan, M.Com., C.A., B.L.
Dr. P.E.R. Premchand, M.Sc., M.A., M.Ed., Ph.D.
Dr. C.G.S. Baburao, B.Tech., M.Tech. (DM), Ph.D.
Dr. Rabinder Boaz, M.S. (CMC)

EDITORIAL BOARD

Dr. Serena Bevin, M.A., M.Phil., B.Ed.
Sis. Sajini Cherian
Rev. Dr. K.R. Rajasekaran
Rev. Dr. William Robert, Ph.D., DD, D.Lit.

EDITOR, PUBLISHER & PRINTER

Pastor S. SAM SELVA RAJ
Echo of His Call Printers

10, Mohammed Abdullah 2nd Street,
Chepauk, Chennai- 600 005, India.
Phone : (+ 91- 44) 2852 8282, 2852 9293, 2854 7766
Cell : (+91) 98410 71852, 98412 71858
95661 31858

E.MAIL

sam@echoofhiscall.org
biblecor@yahoo.co.in

WEBSITES

www.echoofhiscall.org
www.stpaulsmatriculation.org

YOUTUBE CHANNEL

Echo of His Call

"क्योंकि यहोवा तुझे सहारा दिया करेगा, और तेरे पाँव को फन्दे में फँसने न देगा।"

- नीतिवचन 3:26

मसीह यीशु में प्रिय मित्रों,

हमारे प्रभु और उद्धारकर्ता यीशु मसीह के अनमोल नाम में आपका हार्दिक अभिवादन!

परमेश्वर के सर्वोच्च अनुग्रह से, हम जून के एक बहुत ही खास महीने से गुज़रे हैं। यह हमारी सेवकाई के विभिन्न क्षेत्रों में गंभीर गतिविधि से भरा समय था: **एको ऑफ़ हिज़ कॉल** पत्रिका, गॉस्पल प्रिंटिंग प्रेस, मुख्य चर्च और शाखा चर्च, बाइबल कोर - **बाइबल पत्राचार पाठ्यक्रम (बेसिक), ईश्वर विज्ञान पत्राचार पाठ्यक्रम, नहेम्याह बाइबल कॉलेज, सेंट पॉल्स मैट्रिकुलेशन क्रिश्चियन इंग्लिश हाई स्कूल,** अवकाशकालीन बाल सेवकाई, युवा सेवकाई, अस्पताल सेवकाई, पुरुष और महिला सेवकाई, मिशन केंद्र, यूट्यूब सेवकाई और हमारी प्रशासनिक टीमों और परिवारों सहित कई अन्य।

इन विविध क्षेत्रों में सैकड़ों समर्पित व्यक्तियों ने ईमानदारी से काम किया है। हमारे प्रमुख अगुवा प्रार्थना, रणनीतिक योजना बनाने और क्षेत्र से फीडबैक की समीक्षा करने के लिए मासिक रूप से इकट्ठा होते रहते हैं। हम प्रभु के असीम अनुग्रह के लिए उनके आभारी हैं।

नहेम्याह बाइबल कॉलेजों की संकाय बैठक

हमारा विशेष युवा शिविर 7 जून, 2025 को सेंट पहल्स मैट्रिकुलेशन स्कूल परिसर में आयोजित किया गया था, जिसमें 200 से अधिक युवा लड़के और लड़कियां उपस्थित थे। यह अभिषेक का एक सामर्थी समय था, क्योंकि युवाओं को उनके भविष्य और उनकी बुलाहट के लिए ईश्वरीय दर्शन प्राप्त हुआ था। हमने उनके जीवन में वास्तविक आत्मिक परिवर्तन देखना शुरू कर दिया है, और उल्लेखनीय रूप से, उनके नए जीवन उनके परिवारों में भी सकारात्मक बदलाव को प्रेरित कर रहे हैं - विशेष रूप से उनके माता-पिता में। हम उसकी आत्मा के इस महान कार्य के लिए परमेश्वर को सारी महिमा देते हैं!

Our Ministries: ECHO OF HIS CALL Monthly Magazines (16 languages) BIBLECOR - Postal Courses (3 languages) YouTube Ministry Online Courses Theological Correspondence Courses (2 languages) Church Planting Nehemiah Bible Colleges Gospel Printing Press Great Commission Partners St. Paul's Matriculation School Crusades Community Development

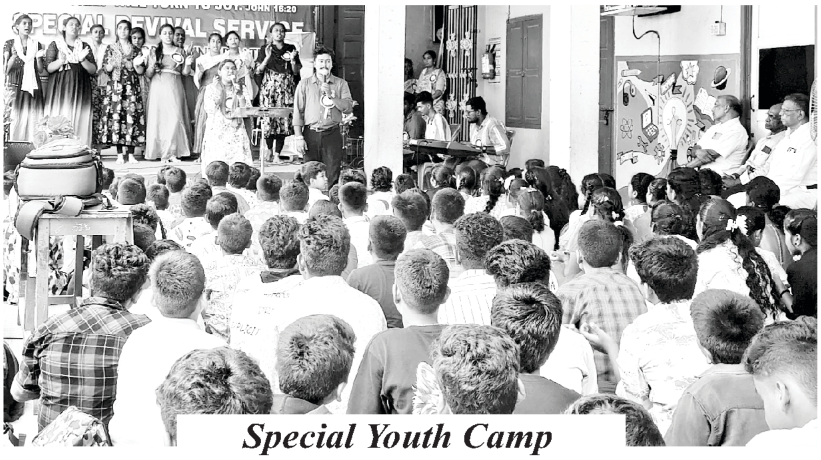

Special Youth Camp

हम 20 जून से 22 जून तक चेपॉक में हमारे मुख्य चर्च और संतोषपुरम में शाखा चर्च दोनों में आयोजित पारिवारिक आशीर्वाद शिविरों के लिए परमेश्वर को धन्यवाद देते हैं। प्रभु ने अनुग्रह से अपनी आशीष उण्डेली, और हमने भरपूर आत्मिक फसल देखी। आपकी विश्वासयोग्य प्रार्थनाओं के लिए धन्यवाद!

हम विनम्रतापूर्वक अपने सभी सेवकों और हमारे द्वारा किए जा रहे बहुआयामी सेवाओं के लिए आपकी निरंतर प्रार्थनाओं का अनुरोध करते हैं। जैसा कि हम अंधकार की शक्तियों के खिलाफ आत्मिक युद्ध के अग्रिम मोर्चे में खड़े हैं, हम कई चुनौतियों और बाधाओं का सामना करते हैं। आपकी प्रार्थनाएं और सहायता शब्दों से परे हैं। परमेश्वर आपको बहुतायत की आशीष दे।

एको ऑफ हिज़ कॉल सेवा परिवार

Email: sam@echoofhiscall.org

पृष्ठ 1 से आगे:...

यूहन्ना 15:16 कहता है, **तुम ने मुझे नहीं चुना परन्तु मैं ने तुम्हें चुना है।**

यह पद हमारे आत्म-संकल्प की आधुनिक कल्पना को चुनौती देता है। हम अक्सर हमारे चुनाव में घमंड करते हैं विशेषकर हमारे आत्मिक चलन में। परंतु यीशु मसीह उस दृष्टिकोण को उलट देता है। आरंभ ही से परमेश्वर हमें अपनी ओर खींचता रहा है।

प्राचीन यहूदी परंपरा में चेले अपने गुरु अर्थात रब्बी को ढूंढते थे। परंतु यीशु मसीह ने इस परिप्रेक्ष्य को बदल दिया है। वही है जो हमें चुनता है।

1. संदर्भ को समझना!

इस पद की गहराई को समझने के लिए यह महत्वपूर्ण है कि हम उस संदर्भ को समझें जिसमें यीशु मसीह ने यह कहा - ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और उस क्षण उसके चेलों की भावनात्मक स्थिति।

अत्यंत आवश्यक सूचना!

निकट भविष्य में एको ऑफ हिज़ कॉल के डाक प्रेषण में अपरिहार्य रुकावटें हो सकती हैं। यदि आप बिना किसी रुकावट के एको ऑफ हिज़ कॉल प्राप्त करना जारी रखना चाहते हैं, तो कृपया हमें अपना नाम, पता, ईमेल और व्हाट्सएप नंबर पत्र, ईमेल, फ़ोन कॉल या एसएमएस/व्हाट्सएप संदेश के माध्यम से तुरंत भेजें।

आपका समर्थन हमें आपकी बेहतर सेवा करने में मदद करता है!

हमारा पता :

ECHO OF HIS CALL,
10, Mohammed Abdullah 2nd Street, Chepauk, Chennai-600 005, India
Cell: (+91) 98412 71858 / 98410 71858 E.mail: sam@echoofhiscall.org

प्रार्थना निवेदन

हमारे ३-दिवसीय पारीवारिक शिविर को प्रार्थना में रखें जो अगस्त ८-१०,२०२५ को होगा।

2 . ऐतिहासिक सन्दर्भ:

यूहन्ना 15:16 यीशु मसीह द्वारा उनके अंतिम फसह के भोजन के समय बोला गया था – यह क्षण यहूदी लोगों के लिए बहुत अर्थपूर्ण था, क्योंकि यह उनके राष्ट्रीय पहचान और छुटकारे का स्मरण दिलाता था। इस पवित्र सभा में, यीशु मसीह यह फिर समझाता है कि परमेश्वर की प्रजा होने का वास्तव में क्या अर्थ है।

वह एक उधार ली हुई ऊपरी कोठरी में बैठा है, शायद यरूशलेम में, अपने बारह चेलों के साथ। यहीं पर वह प्रभु भोज की स्थापना करता है। इसी स्थान पर वह अपनी अंतिम शिक्षा देता है – अपने विदाई के भाषण में। ये कोई सामान्य टिप्पणियाँ नहीं हैं; ये महत्वपूर्ण सत्य हैं जो चेलों को उनके जाने के बाद तैयार और स्थिर रखने के उद्देश्य से कहे गए हैं।

यह यीशु मसीह के अंतिम क्षणों में कहे गए उसके शब्दों की तात्कालिकता और गंभीरता को उजागर करता है। ये गहरे उद्देश्य से परिपूर्ण शब्द हैं, जो प्रेम और ईश्वरीय दूरदृष्टि के साथ बोले गए थे।

3 . चेलों की भावनात्मक स्थिति

कल्पना कीजिए चेलों की मानसिक और भावनात्मक स्थिति की। वे तीन वर्षों से अधिक समय तक यीशु मसीह के साथ थे– उनके साथ चलते हुए, उनके साथ भोजन करते हुए, उनके साथ सेवा करते हुए, और दिन-रात उनसे सीखते हुए। सबसे महत्वपूर्ण बात यह कि उन्होंने अपनी सारी संपत्ति छोड़ दी थी ताकि वे स्वेच्छा से और पूरे मन से उसका अनुसरण कर सकें।

अब, अचानक, वे अपने गुरू के मुँह से व्याकुल करनेवाले शब्द सुन रहे हैं: कि वह मरने जा रहा है कि उन में से एक उसे धोखा देगा, और कि एक अन्य उसे नकारेगा। क्या आप कल्पना कर सकते हैं कि उन्होंने कैसा आंतरिक संघर्ष महसूस किया होगा? उनका संपूर्ण संसार उनके पैरों के नीचे डगमगा रहा था।

संभवतः आप में से कुछ, जो इसे पढ़ रहे हैं, इसी तरह की स्थिति में होंगे – जहाँ आपका संसार, आपकी आशाएं, और आपका विश्वास बिखरता हुआ प्रतीत हो रहा है। आप पूछ सकते हैं, ”मैं किसका सहारा लूं?“ यदि आप वही हैं, तो यह जान लीजिए: परमेश्वर का आपके लिए एक विशेष संदेश है।

महत्वपूर्ण शिक्षाएं अक्सर सबसे अनपेक्षित क्षणों में प्रकट होती हैं – विशेष रूप से संकट के समय में। ऐसा ही एक क्षण था जब यीशु मसीह ने अपने चेलों से ये शब्द कहे: फल लाओ। लेकिन ऐसा कठिन समय होने पर कोई फल कैसे ला सकता है?

यह लेख दो भागों में प्रस्तुत किया जाएगा। इस महीने, हम यूहन्ना १५:१६ के पहले भाग पर विचार करेंगे: हमें चुनने में परमेश्वर का चुनाव। अगले महीने, हम उस चुनाव के पीछे के उद्देश्य का पता लगाएंगे – स्थायी फल उत्पन्न करना।

I. ईश्वरीय चुनाव !

परमेश्वर के चुनाव के चार पहलू हैं!

(अं) परमेश्वर रिश्ता आरंभ करता है!

पवित्र शास्त्र लगातार प्रकट करता है कि यह परमेश्वर ही है जो रिश्ता आरंभ करता है। यीशु मसीह ने कहा, “लेकिन मैंने तुम्हें चुना है।” यहां “चुना” के लिए इस्तेमाल किया गया यूनानी शब्द एक्लेगोमै है, जिसका अर्थ है अपने लिए चुनना या चुनना। यही सत्य इफिसियों 1:4 में भी प्रतिध्वनित होता है। **... उसने हमें जगत की नींव रखने से पहले ही अपने में चुन लिया ...**

यह हमारी मानवीय प्रवृत्ति को चुनौती देता है कि हम यह विश्वास करें कि हमने परमेश्वर को पा लिया है, जबकि वास्तव में, वही है जो हमेशा से हमें खोज रहा है। खोई हुई भेड़ के दृष्टांत पर विचार करें: चरवाहा खोई हुई भेड़ के पीछे जाता है। उसी तरह, हमारा प्रिय अच्छा चरवाहा आपको और मुझे ढूंढ़ने आता है – हमें ढूंढ़ने और पिता के पास वापस लाने के लिए।

यह ईश्वरीय चयन न तो मनमाना है और न ही बेतरतीब – यह जानबूझकर और अत्यंत व्यक्तिगत है। दुनिया के सभी लोगों में से, परमेश्वर ने आपको चुना। यह कितना अविश्वसनीय विशेषाधिकार है!

आइए हम इस मूलभूत सत्य को याद रखें: हमारा अस्तित्व जानबूझकर है। आपको और मुझे उद्देश्य के साथ बनाया गया था। हम सृष्टि का बेतरतीब निर्माण नहीं हैं – हम परमेश्वर द्वारा चुने गए लोग हैं, जिन्हें योजना द्वारा तैयार किया गया है।

(ब) बिना योग्यता के अनुग्रह !

परमेश्वर का चुनाव हमारी योग्यता या उपलब्धियों पर आधारित नहीं है। रोमियों 9:11–12 इस बात पर प्रकाश डालता है कि याकूब और एसाव को उनके द्वारा कुछ भी अच्छा या बुरा करने से पहले ही चुन लिया गया था। यह स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि परमेश्वर का अनुग्रह हम जो करते हैं – या करने में विफल होते हैं – उससे कमाया नहीं जाता, बल्कि विनामूल्य दिया जाता है। यह अनुग्रह की प्रकृति है: एक बिना योग्यता वाला वरदान। यह सत्य हमें दिखावे पर आधारित धर्म से आज़ाद करता है।

इसलिए, यदि आप में से कोई भी निराश महसूस कर रहा है क्योंकि आपने अपनी बाइबल नहीं पढ़ी है या लगातार प्रार्थना नहीं की है, तो यह मत सोचिए कि आप हार गए हैं। हमारी योग्यता हमारे कार्यों से नहीं, बल्कि परमेश्वर के अनुग्रह से आती है!

हालाँकि, प्रार्थना में शामिल होना, वचन पढ़ना और उसके साथ समय बिताना हमें उसके साथ अपने रिश्ते को बढ़ाने, उसकी इच्छा को समझने और उसे प्रसन्न करने वाला जीवन जीने में मदद करता है। प्रभु के साथ हमारी यात्रा बक्सों की जांच करने या कार्य लक्ष्यों को पूरा करने से सम्बंध

पृष्ठ 6 से आगे:...

GREAT COMMISSION PARTNERS
ECHO OF HIS CALL MINISTRIES
SINCE 1969

महान आदेश के भागी

✽ भार उठना (गलातियों 6:2), ✽ सहायता करना (रोमियों 12:13) और ✽ चमकाना (2 तीमु. 1:6)

स्तुति और प्रार्थना निवेदन

जुलाई 2025, से 18 अगस्त 2025 तक

(कृपया इस पृष्ठ को फाड़िये, घड़ी कीजिए और उसे अपनी बाइबल में रखकर निरंतर प्रार्थना कीजिए।)

स्तुति विषय

19 जुलाई : सेंट पॉल्स मैट्रिकुलेशन स्कूल और नहेम्याह बाइबल कॉलेजों में २०२५-२६ शैक्षणिक वर्ष के लिए प्रवेश प्रक्रिया पर आशीष के लिए।

२० जुलाई: हमारे सभी सहायक संपादकों और उनके परिवारों पर परमेश्‍वर की आशीष के लिये।

२१ जुलाई: हमारी कलीसियाओं में सेवा करने वाले पास्टरों और स्वयंसेवकों के लिये।

२२ जुलाई: युवा और बाल देखभाल सेवकाई के लिए हमारे वैश्विक दृष्टिकोण पर परमेश्‍वर की आशीष के लिये।

२३ जुलाई: हमारे मुख्य चर्च में नए विश्वासियों को जोड़ने के लिये।

२४ जुलाई: हमें सुसमाचार को उन क्षेत्रों में फैलाने में सक्षम बनाने के लिये, जहाँ तक पहुँच नहीं है।

२५ जुलाई: हमारे मिशन कार्यकर्ताओं के अटूट समर्पण के लिये।

२६ जुलाई: हमारे राष्ट्रों पर परमेश्‍वर की सुरक्षा के लिये।

२७ जुलाई: नए बचाए गए लोगों का अभिषेक करने और उन्हें हमारे चर्च की संगति में लाने के लिये।

२८ जुलाई: हमारे राज्य समन्वयकों और उनकी संगति का नेतृत्व और एकता के लिए।

२९ जुलाई : हमारे विश्वासयोग्य सहायकों को उनकी निरंतर प्रार्थनाओं और उदार सहायकता के लिए।

३० जुलाई : हमारे प्रार्थना भागीदारों, सदस्यता भागीदारों, विश्वास भागीदारों, जीवन भागीदारों और महान आदेश भागीदारों और उनके परिवारों पर परमेश्‍वर की दया।

३१ जुलाई : हमारे सुसमाचार मुद्रण प्रेस के निरंतर संचालन और इसके श्रमिकों की दक्षता के लिये।

१ अगस्त : सेंट पॉल्स मैट्रिकुलेशन स्कूल (विलेज हाई स्कूल) में समर्पित और पेशेवर शिक्षकों की नियुक्ति।

२ अगस्त : पास्टर एस. सैम सेल्वा राज और उनके परिवार पर बहुतायत की आशीष के लिये।

३ अगस्त : १९६९ से पत्रिका सेवकाई के प्रति हमारी प्रतिबद्धता पर परमेश्‍वर की निरंतर आशीष के लिये।

कृपया प्रार्थना करें

४ अगस्त : सुसमाचार के साथ अनपहुंचे स्थानों तक पहुँचने के लिये अनुग्रह हेतु।

५ अगस्त : सभी धर्मों के बीच एकता और सद्भाव के लिये।

६ अगस्त : दुनिया भर में शांति कायम हो।

७ अगस्त : महिलाओं और बच्चों के खिलाफ हिंसा के उन्मूलन के लिये।

८ अगस्त : हमारे सहायक संपादकों और उनके परिवारों के अच्छे स्वास्थ्य और सामर्थ्य के लिये।

९ अगस्त : सभी राष्ट्रों के बीच ईमानदारी और धार्मिकता के लिये।

१० अगस्त : आज एको ऑफ़ हिज़ कॉल मिनिस्ट्रीज के ५७वें वर्ष में प्रवेश करने पर परमेश्‍वर का निरंतर मार्गदर्शन।

११ अगस्त : हमारे वरिष्ठ पासवान, रेव्ह. एस. सैम सेल्वा राज की योजनाओं पर ईश्‍वर का आशीष के लिये।

१२ अगस्त : नियोजन और विकास के हर क्षेत्र में सभी राष्ट्रों के लिए एकता और समग्र प्रगति।

१३ अगस्त : दुनिया भर के लोगों की ज़रूरतों के लिए प्रावधान हो।

१४ अगस्त : वैश्विक आर्थिक मंदी का अंत हो।

१५ अगस्त : वेकेशन बाइबल स्कूल (व्हीबीएस) के दौरान यीशु मसीह के प्रेम से प्रभावित बच्चे प्रभु में बढ़ने और ईमानदारी से चर्च में भाग लेने के लिए प्रेरित हों।

१६ अगस्त : मिशनरियों और ईश्‍वर के सेवकों के खिलाफ़ हिंसा का अंत।

१७ अगस्त : परिवारों को विभाजित करने के उद्देश्य से शैतान के कार्यों का विनाश।

१८ अगस्त : परमेश्‍वर की संतानों पर आत्मिक और भौतिक आशीषें।

पृष्ठ 4 से आगे:...

नहीं रखती; यह विश्वास से जीने सम्बंध नहीं रखती है – उसके अनपेक्षित अनुग्रह में विश्वास। यही कारण है कि यीशु मसीह दुनिया में आया : वह क्रूस पर मर गया, गाड़ा गया और तीसरे दिन फिर से जी उठा। वह एक अद्भुत, संप्रभु परमेश्वर है। यह इसलिए नहीं है कि हम कौन हैं – यह इसलिए है कि वह कौन है!

(क) प्रेम में चुना गया !

तीसरा, परमेश्वर के चुनाव के पीछे प्रेरणा प्रेम है। व्यवस्थाविवरण 7:7–8 से पता चलता है कि **परमेश्वर ने इस्राएल को इसलिए नहीं चुना क्योंकि वे बहुत अधिक थे या प्रभावशाली थे, बल्कि इसलिए कि वह उनसे प्रेम करता था।** उसका चुनाव उसके प्रेमपूर्ण स्वभाव से उपजा है, हमारी योग्यता से नहीं।

परमेश्वर हमसे प्रेम करता है – हमारे अतीत की परवाह किए बिना। कोई भी हमें परमेश्वर के प्रेम से अलग नहीं कर सकता। यदि आपने कभी उसके प्रेम का अनुभव नहीं किया है, या यदि आपने किया है लेकिन उसका क्रूस उठाने में संकोच कर रहे हैं, तो यह संदेश आपके लिए है। परमेश्वर किसी के भी माध्यम से काम कर सकता है, चाहे वह समूह कितना भी छोटा या महत्वहीन क्यों न लगे – महत्वपूर्ण बात यह है कि वे उससे प्रेम करते हैं।

(ड) व्यक्तिगत चयन !

परमेश्वर का चुनाव बहुत ही व्यक्तिगत होता है। यशायाह ४३:१ कहता है, **... मैंने तुम्हें नाम लेकर बुलाया है; तुम मेरे हो।** यीशु मसीह ने अपने प्रत्येक चेले को व्यक्तिगत रूप से चुना, उनके व्यक्तित्व, ताकत और कमजोरियों से पूरी तरह अवगत था।

परमेश्वर की बुलाहट का यह व्यक्तिगत पहलू आराम और महत्व दोनों लाता है। हम बेतरतीब चयन नहीं हैं – हम व्यक्तिगत रूप से चुने गए हैं, जाने जाते हैं और परमेश्वर द्वारा प्यार किए जाते हैं।

(मेरे पीछे दोहराएं) :

“मैं बेतरतीब चयन नहीं हूं – मैं परमेश्वर का विशिष्ट चुनाव हूं। दूसरा नहीं, बल्कि सर्वश्रेष्ठ।”

1 पतरस 2:9 में, हम पढ़ते हैं:

पर तुम एक चुना हुआ वंश, और राजदृ पदधारी याजकों का समाज, और पवित्र लोग, और (परमेश्वर की) निज प्रजा हो, इसलिये कि जिसने तुम्हें अन्धकार में से अपनी अद्भुत ज्योति में बुलाया है, उसके गुण प्रगट करो।

परमेश्वर पुष्टि कर रहा है कि हम उसकी चुनी हुई पीढ़ी हैं। याद रखें, हम सिर्फ़ चुने हुए नहीं हैं – हम परमेश्वर की व्यक्तिगत, जानबूझकर चुनी गई पसंद हैं।

सोचें कि हम सब्ज़ी बाज़ार में कैसे खरीदारी करते हैं: हम सब कुछ बेतरतीब ढंग से नहीं लेते। हम वही चुनते हैं जो सबसे अच्छा और सबसे ज़्यादा पसंद है। उसी तरह, परमेश्वर ने हमें – जानबूझकर और प्यार से – अपना होने के लिए चुना है। यह जानना कितना अविश्वसनीय विशेषाधिकार और खुशी की बात है कि राजाओं के राजा, ब्रह्मांड के परमेश्वर ने मुझे अपनी चुनी हुई पीढ़ी का हिस्सा बनने के लिए चुना है!

२. परमेश्वर के चयन का पैटर्न :

पूरे पवित्र शास्त्र में, हम परमेश्वर के चुनाव में एक सुसंगत पैटर्न देखते हैं: वह अक्सर असंभावित उम्मीदवारों का चुनाव करता है। उसके चुनाव अप्रत्याशित, विनम्र और बिना शर्त के होते हैं।

(अ) अब्राहम !

उत्पत्ति 12:1–3 में, परमेश्वर अब्राहम को कसदियों के ऊर को छोड़ने और अज्ञात देश में उसका अनुसरण करने के लिए बुलाता है – विश्वास का सफ़र। अब्राहम 75 वर्ष का था और नि:संतान था, फिर भी परमेश्वर ने उसे कई राष्ट्रों का पिता बनाने की प्रतिज्ञा की।

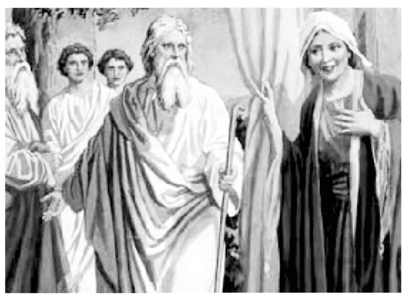

अब्राहम ने अपनी पत्नी सारा के बारे में झूठ बोला

क्या वह दोषरहित था? निश्चित रूप से नहीं। उसने अपनी पत्नी सारा के बारे में झूठ बोला, उसे राजा अबीमेलेक से अपने आप को बचाने के लिए अपनी बहन कहा। (उत्पत्ति 20)। उसने हाजिरा

पृष्ठ 8 में क्रमश:...

NEHEMIAH BIBLE COLLEGES,
Chepauk & Santhoshapuram, Velachery Chennai.
Qualification : 10th Standard & above
Rush for admission! Medium :Tamil (Part Time)
Hindi (Residential) (Sponsorship Available)
Diploma in Theology
Recognised by
International Christian Leaders &
Senior Pastors for the past 55 years
Contact : The Chairman, Nehemiah Bible College.
10, MOHAMMED ABDULLAH 2ND STREET, CHEPAUK, CHENNAI - 600 005, INDIA.
Phone : (+91-44) 2852 8282, Cell : (+91) 98410 71852 / 95661 31858
E.mail : sam@echoofhiscall.org / Website : www.echoofhiscall.org

कृपया हमारे मुख्यालय में हो रहे सेवाकार्यों के लिए प्रार्थना करें!

१. प्रार्थना सेवा : २४ घंटे
२. **बाइबलकोर** - बाइबल पत्राचार पाठ्यक्रम : अंग्रेजी, तमिल, हिन्दी
३. **बुलावे की प्रतिध्वनि (एको ऑफ हिज़ कॉल)** - मासिक पत्रिका अंग्रेजी, तमिल, मलयालम, तेलुगू, हिन्दी, कन्नड, मराठी, गुजराती, बगाली, उड़िया, नेपाली, आसामी, पंजाबी, उर्दू, सिन्हाला, अफ्रीकान
४. नहेम्याह बाइबल कॉलेज (तीन केन्द्र)
५. थियोलॉजिकल प्रशिक्षण कोर्स - अंग्रेजी एवं तमिल
६. ग्रेट कमिशन पार्टनर्स
७. प्रशिक्षण कार्यक्रम
८. सुसमाचार सभाएं
९. साहित्य वितरण और फॉलो-अप
१०. सुसमाचार साहित्य मुद्रणालय -प्रकाशन
११. सेंट पॉल्स मैट्रिक्युलेशन स्कूल- विलेज इंग्लीश स्कूल
१२. सण्डेस्कूल रविवार प्रातः ८.३० बजे
१३. तमिल उपासना रविवार प्रात ६.०० बजे - ७.०० बजे १०.००बजे
१४. हिन्दी उपासना रविवार सायं ४.०० बजे
१५. तेलुगू उपासना रविवार सायं ५.०० बजे
१६. अंग्रेजी तथा तमिल उपासना रविवार सायं ६.०० बजे
१७. महिलाओं की प्रार्थना सभा बुधवार सायं ५.३० बजे
१८. पुरुषों की प्रार्थना सभा शुक्रवार सायं ६.३० बजे
१९. शिष्यता की सभा शनिवार सायं ६.०० बजे
२०. गृह सभाएँ मंगल.गुरु सायं ६.३० बजे
२१. विशेष पवित्र सहभागिता-प्रभुभोज प्रतिमाह के १ ला दिवस पर प्रातः ५.३० बजे
२२. कर्मचारी समीक्षा सभा प्रथम शनिवार सायं ५.३० बजे
२३. पालकों की प्रार्थना सभा प्रथम रविवार सायं ४.०० बजे
२४. रात्रकालिन प्रार्थना द्वितीय शुक्रवार रात ९.३० बजे
२५. उपवास के साथ प्रार्थना प्रथम शनिवार सायं ९.३० बजे
२६. पवित्र प्रभुभोज द्वितीय रविवार की उपासनाएँ
२७. प्रातःकालीन उपासना प्रतिदिन प्रातः ५.०० बजे
२८. कर्मचारी वर्ग द्वारा प्रार्थना उपासना प्रतिदिन प्रातः ९.०० बजे
२९. कार्यालय प्रातः ९.०० बजे से सायं ६.०० बजे (रविवार छोड़कर)

ऐंको ऑफ हिज़ कॉल पत्राचार पाठ्यक्रम केवल भारत में उम्मीदवार के लिए

1. बाइबलकोर

हम नए मसीहियों और गैर–मसीहियों के लिए बाइबल के बुनियादी सत्य पर पत्राचार पाठ्यक्रम प्रस्तुत करते हैं अंग्रेजी–57 पृष्ठ, हिन्दी–76 पृष्ठ, और तमिल–96 पृष्ठ। आपको एक पाठ्यक्रम पुस्तक मिलेगी जिसका शीर्षक है नया जीवन – आपके लिए! इस कोर्स के पूरा होने के बाद आपको *आपके लिए नया जीवन* शीर्षक युक्त पाठ्यक्रम की एक पुस्तक प्राप्त होगी।

2. ईश्वरविज्ञान पत्राचार पाठ्यक्रम

ईश्वरविज्ञान पत्राचार पाठ्यक्रम नामक एडवान्स्ड डिस्टन्स एज्युकेशन पासबानों, सुसमाचार प्रचारकों और मसीही अगुवों के लिए भी उपलब्ध है जिन्हें परमेश्वर की सेवा के लिए बोझ है– अंग्रेज़ी 537 पृ. और तमिल 652 पृ. ! शुल्क रु. 1000/– लिया जाएगा, 149 अध्यायों की सात पुस्तकें दी जाएगी। सर्टिफिकेट इन मिनिस्ट्री दिया जाएगा। परमेश्वर आपको आशीष दे!

अधिक जानकारी के लिए आज ही सम्पर्क करें।

The Chairman, Nehemiah Bible College,
Echo of His Call, Post Box 2957
CHEPAUK, CHENNAI - 600 005.
Ph.: (044) 2852 8282, 2852 9293, 2854 7766,
Cell : 98410 71852, 95661 31858
E.mail : biblecor@yahoo.co.in

एको ऑफ हिज़ कॉल मासिक पत्रिका विनामूल्य पाने का उत्तम अवसर

यदि आप डाक, पत्र, ईमेल, वॉट्स अप या फोन करके अपने मित्रों/रिश्तेदारों के पते भेज सके, तो हम उन्हें **एको ऑफ हिज़ कॉल** मासिक पत्रिका विनामूल्य भेजेंगे।

कर में छूट

किसी भी व्यक्ति अथवा संस्था द्वारा "एको ऑफ हिज़ कॉल एज्युकेशनल ट्रस्ट" को दिया गया दान आयकर कानून की धारा ८० जी. के तहत कर मुक्त माना जाता है। इसके लिए अधिकृत रसीद दी जाएगी। दानदाताओं से निवेदन है कि वे अपने चेक तथा ड्राफ्ट **"एको ऑफ हिज़ कॉल एज्युकेशनल ट्रस्ट"** के नाम पर आपके आधार कार्ड और पैन कार्ड के साथ भेज दें।

Account Name	:	ECHO OF HIS CALL EDUCATIONAL TRUST
Account Number	:	1023 2923 805
Bank Name	:	STATE BANK OF INDIA
Branch	:	TRIPLICANE, CHENNAI - 600 005
IFSC Code	:	SBIN 0000249
SWIFT Code	:	SBI NIN BB 455

खाई से महल तक

(पास्टर एस. सॅम सेल्वा राज के जीवन अनुभव)

"जो पढ़े वह समझे" मत्ती 24:15

यहोवा का धन्यवाद करो, क्योंकि वह भला है, और उसकी करुणा सदा की है। (भजन 136:1,23)

जब हम सुसमाचार के विभिन्न सेवकों के जीवन के इतिहास को देखते हैं, तो पाते हैं कि हमारा परमेश्वर पिता सभी परिस्थितियों में अपने सेवकों की सभी आवश्यकताओं का ध्यान रखने और उन्हें पूरा करने में विश्वासयोग्य रहा है। उसके सभी सेवक भले ही ज़रूरतमंद रहे हों, लेकिन वह उन्हें सफल बनाने में विश्वासयोग्य रहा है। वह उन्हें कभी भी असहाय नहीं छोड़ता।

वर्ष 1982 में, मुझे चेन्नई (मद्रास) के निकट एक गाँव में सुसमाचार प्रचार करने के लिए आमंत्रित किया गया था। कार्यक्रम पूरे दिन का था। मुझे ट्रेन पकड़कर वहाँ जाना था। मेरे कुछ सहकर्मी प्रारंभिक व्यवस्था करने के लिए पिछले दिन वहाँ गए थे। उस दिन सुबह-सुबह, मैंने कार्यक्रम के लिए खुद को तैयार किया और बहुत प्रार्थना करने के बाद रेलवे स्टेशन गया। लेकिन ईमानदारी से प्रयास करने के बावजूद, मैं अपनी यात्रा के लिए आवश्यक धन की व्यवस्था नहीं कर पाया। मेरे बटुए में ट्रेन टिकट आदि खरीदने के लिए पैसे नहीं थे।

जब मैं रेलवे स्टेशन पहुँचा, तो मैंने पाया कि विशेष ट्रेन पकड़ने के लिए टिकट खरीदने के लिए लंबी कतार लगी हुई थी। चूँकि गाँव में कार्यक्रम के लिए मेरी उपस्थिति बहुत ज़रूरी थी, इसलिए मुझे वहाँ जाने के अलावा कोई और विकल्प नहीं मिला। तो मैं भी कतार में खड़ा हो गया, मानो मेरे बटुए में भी दूसरों की तरह ट्रेन का टिकट लेने के लिए पर्याप्त पैसे हों। मेरी आत्मा में, मैंने परमेश्वर पर चमत्कार के लिए विश्वास किया।

कतार धीरे-धीरे आगे बढ़ी। मेरे सामने खड़े लोग सक्रिय रूप से अपने बटुए खोल रहे थे और करेंसी नोट देकर टिकट ले रहे थे और शेष राशि निकाल रहे थे। लेकिन, मैं परमेश्वर का एक साधारण सेवक था जिसका बटुआ खाली था, मुझे नहीं पता था कि जब पैसे देने और टिकट लेने की मेरी बारी आएगी तो मैं क्या करूँगा। मेरा दिल तेजी से धड़क रहा था। अंत में, पैसे देने और टिकट लेने की मेरी बारी आई। मुझे नहीं पता था कि क्या करना है। टिकट काउंटर पर मौजूद व्यक्ति ने मुझसे पूछा, "आप कहाँ जाना चाहते हैं?" जब मैंने अपना मुंह खोला और कहा, "मुझे जाना है..........", तुरंत मैंने अपने पीछे से एक आवाज़ सुनी, काउंटर क्लर्क से कह रही थी, "श्रीमान, कृपया उस व्यक्ति से पैसे न लें; मैं भी उसके साथ यात्रा कर रहा हूँ। मैं उसके टिकट के लिए भी पैसे दूँगा; कृपया उससे पैसे न लें...." टिकट काउंटर पर क्लर्क ने मुझसे पैसे न देने का अनुरोध किया, क्योंकि दूसरा व्यक्ति उसका मित्र था!

मेरा दिल टूट गया। मैं खुद को नियंत्रित नहीं कर सका। मैं वहाँ से चला गया और एक बच्चे की तरह रोया, यह महसूस करते हुए कि मेरे स्वामी की अपने छोटे से सेवक के प्रति चिंता है, जिसकी मैं सेवा कर रहा था। फिर उस भाई ने मेरे टिकट के लिए भी पैसे दिए और टिकट ले लिया। हम साथ-साथ यात्रा कर रहे थे और मैंने अपनी परेशानी और उस दिन प्रभु के हस्तक्षेप को साझा किया। उसने भी आँसू बहाए और परमेश्वर को धन्यवाद दिया। परमेश्वर ने उस दिन के कार्यक्रम को भरपूर आशीष दी!

प्रिय पाठक, प्रभु यीशु मसीह आपकी सभी ज़रूरतों के लिए पर्याप्त है। यदि प्रभु आपको अपनी सेवकाई के लिए बुलाता है, तो संकोच या देरी न करें।

वह आपको अनाथ नहीं छोड़ेगा... यूहन्ना 14:18।

पृष्ठ 6 से आगे:...

(ब) मूसा !

को लिया और बाद में उसे और उनके बेटे को छोड़ दिया। फिर भी परमेश्वर अपनी पसंद के प्रति विश्वासयोग्य रहा।

परमेश्वर विश्वासयोग्य रहेगा - चाहे आप कोई भी हों!

परमेश्वर ने मूसा को तब बुलाया जब उसने अपना सारा आत्मविश्वास और महत्वाकांक्षा खो दी थी। वह अब खुद को नेतृत्व करने में सक्षम नहीं मानता था। चरवाहे के रूप में जीवन से संतुष्ट, मूसा ने जलती हुई झाड़ी में परमेश्वर का सामना किया और बहाने के साथ जवाब दिया (निर्गमन ३ और ४)।

हममें से कितने लोग ऐसा ही कर रहे हैं - अपने जीवन के लिए परमेश्वर के उद्देश्य को अपनाने के बजाय "बहाने" बना रहे हैं?

मूसा के उसके अपने बारे में विचार और परमेश्वर के उसके बारे में विचार के बीच तीव्र अंतर पर ध्यान दें :

निर्गमन 3:11 : **... मैं कौन हूँ जो फ़िरौन के पास जाऊँ, और इस्राएलियों को मिस्र से निकाल ले आऊँ? ...**

निर्गमन 4:1 : **... वे मेरा विश्वास नहीं करेंगे और न मेरी सुनेंगे ...**

निर्गमन 4:10 : **... हे मेरे प्रभु, मैं बोलने में निपुण नहीं ...**

(निर्गमन 4:13) : **हे मेरे प्रभु, कृपया किसी और को तू भेज।** यह मूसा के अपने बारे में विचार को दर्शाता है - संकोची, असुरक्षित और अयोग्य।

लेकिन उसके बारे में परमेश्वर के दृष्टिकोण पर विचार करें।

निर्गमन 3:10 : **इसलिये आ, मैं तुझे फ़िरौन के पास भेजता हूँ कि तू मेरी इस्राएली प्रजा को मिस्र से निकाल ले आए।**

परमेश्वर ने मूसा को अपने लोगों के उद्धारकर्ता, नेता, रक्षक और उद्धारकर्ता के रूप में देखा। जबकि मूसा ने अपने आप पर संदेह किया, परमेश्वर ने उसे एक ईश्वरीय मिशन सौंपा। शायद, जैसा कि आप इसे पढ़ रहे हैं, परमेश्वर आपकी अपने बारे में कुछ सीमित समझ का सामना कर रहा है। यह समय है कि आप अपने आप को परमेश्वर के दृष्टिकोण से देखना शुरू करें। परमेश्वर को सीमित न करें। जब परमेश्वर ने मूसा को बुलाया तो वह ८० वर्ष का था। परमेश्वर का समय शायद ही कभी मानवीय अपेक्षाओं के साथ मेल खाता हो। मूसा की कथित अपर्याप्तताएं ही वह मंच बन गईं जिस पर परमेश्वर की सामर्थ्य प्रकट हुई। मुख्य बात थी समर्पण - सब कुछ परमेश्वर के चरणों में समर्पित कर देना।

(क) दाऊद !

दाऊद किसी उल्लेखनीय परिवार से नहीं था।

परमेश्वर ने दाऊद को उसके हृदय के लिये चुना

उसकी कोई प्रतिष्ठित पृष्ठभूमि नहीं थी और उसे उसके अपने परिवार द्वारा भी अनदेखा किया जाता था। अभिषिक्त होने के बावजूद, वह अनदेखा किया जाने वाला सबसे छोटा बेटा था, जिसे अक्सर भुला दिया जाता था - फिर भी वह इस्राएल का सबसे महान राजा बन गया।

परमेश्वर ने दाऊद को उसके रूप या पद के लिए नहीं चुना; उसने उसे उसके हृदय के लिए चुना (1 शमूएल 16:7)।

दाऊद ने गंभीर पाप किया, यद्यपि परमेश्वर ने उसके पुत्र को लेकर उसे ताड़ना दी, फिर भी उसने दया दिखाई और दाऊद के पश्चाताप करने पर भी वह विश्वासयोग्य रहा। परमेश्वर ने अपना प्रेम वापस नहीं लिया। उसने दाऊद को चुना!

(ड) चेले !

बारह चेले विविध, अक्सर अप्रभावी पृष्ठभूमि से आए थे - मत्ती, एक चुंगी लेने वाला; शमौन उत्साही; कई अशिक्षित मछुआरे। ये साधारण व्यक्ति थे, त्रुटिपूर्ण और अक्सर असफल, जैसा कि सुसमाचारों से पता चलता है।

फिर भी, यीशु मसीह ने कभी भी अपनी बुलाहट वापस नहीं ली। प्रेरितों के काम की पुस्तक में, हम पिन्तेकुस्त के बाद एक क्रांतिकारी परिवर्तन देखते हैं, जो रोज़मर्रा के लोगों के माध्यम से काम करने वाली परमेश्वर की सामर्थ्य को प्रकट करता है।

प्रिय मित्रों,

हमें हमारी योग्यताओं के कारण नहीं चुना जाता है, बल्कि परमेश्वर की संप्रभु इच्छा और अचूक प्रेम के कारण चुना जाता है। उनके चुनाव मानवीय तर्क से परे हैं।

वह अपनी सामर्थ्य प्रदर्शित करने के लिए कमज़ोरों को चुनता है। वह बुद्धिमानों को शर्मिंदा करने के लिए मूर्खों का उपयोग करता है। वह उन चीज़ों को अस्तित्व में लाता है जो अभी तक अस्तित्व में नहीं हैं। वह हमारी अपेक्षा या कल्पना से कहीं ज़्यादा कर सकता है।

यह हमारे परमेश्वर की सामर्थ्य है।

वह अपनी महिमा के लिए किसी का भी उपयोग कर सकता है - उसके चुनाव जानबूझकर किए गए हैं!

याद रखें: आप परमेश्वर द्वारा चुने गए हैं।

हाथ से चुने गए। जानबूझकर एक ईश्वरीय उद्देश्य के लिए चुने गए - फल देने के लिए। परमेश्वर एक ऐसे जीवन की अपेक्षा कर रहा है जो फल पैदा करे।

मैं प्रार्थना करता हूं कि परमेश्वर हममें से प्रत्येक को उसकी महिमा के लिए फल देने वाला जीवन जीने के लिए सामर्थी बनाए, क्योंकि जब वह लौटेगा, तो वह फल की तलाश करेगा।

****

मसीही कार्यालय के लिए आवश्यकता

1. COMPUTER OPERATORS

2. PRINTING PRESS OPERATORS

Contact : (+91) 98412 71858, E.mail : sam@echoofhiscall.org

NOTICE

Please store the Mobile Phone numbers (+91) 98410 71858, (+91) 98412 71858 of Pastor S. Sam Selva Raj on your mobile phones.

- Editor

Posted at "Egmore RMS Patrika Channel" RNI.No.63656/95, Postal Regn.No.TN/CH/(C)/202/24-26 WPP.No.TN/PMG(CCR)/WPP-222/24-26

एको ऑफ हिज़ कॉल

यू ट्यूब

Please subscribe

कृपया आपके समय के अनुसार हमारा **एको ऑफ हिज़ कॉल यू ट्यूब चैनल** देखें और उसे सब्स्क्राईब करें। - धन्यवाद

OUR BANK DETAILS:

1. Bank : State Bank of India

Branch : **Triplicane, Chennai-5**
Name : **S. Sam Selva Raj**
A/C No. : **1023 2934 679**
IFSC : **SBIN 00 00 249**
SWIFT CODE : **SBI NIN BB 455**

2. Bank : ICICI Bank

Branch : **Anna Salai, Chennai-6**
Name : **Echo of His Call**
A/C No. : **6038 0502 2319**
IFSC : **ICIC 000 6038**

3. Bank : State Bank of India

(This Account is for Tax Exemption for Indians only)

Branch : **Triplicane, Chennai-5**
Name : **Echo of His Call Educational Trust**
A/C No. : **1023 2923 805**
IFSC : **SBIN 00 00 249**

Google Pay: 98410 71858
PayPal : SAM SELVA RAJ
*****
E.mail : sam@echoofhiscall.org

एको ऑफ हिज़ कॉल

१६ भाषाओं में मासिक पत्रिकाएं, पत्राचार पाठ्यक्रम, कलीसिया रोपन, ग्रामीण अंग्रेज़ी हायस्कूल, सुसमाचार छापखाना, क्रूसेड, सेमिनार, समाज सेवा आदि।

वार्षिक शुल्कः रु. १००/-   आजीवन शुल्कः रु. २,०००/-

एको ऑफ हिज़ कॉल की गतिविधियां आपके समान परमेश्वर के लोगों के स्वेच्छा दानों और भेंटों से पूरी की जाती हैं। आप परमेश्वर की अगुवाई के अनुसार **एको ऑफ हिज़ कॉल** और उसके सारे कार्यक्रमों को आर्थिक सहायता भेज सकते हैं। अनपहुंचे लोगों को सुसमाचार सुनाने हेतु और कलीसिया की स्थापना के लिए हमें आपकी सहायता की ज़रूरत है।

अगर आप **एको ऑफ हिज़ कॉल** मासिक पत्रिका नियमित रूप से प्राप्त करना चाहते हैं तो कृपया हमें लिख भेजें। जब कभी अपना पता या ई-मेल बदलें तो कृपया अपने पुराने एवं वर्तमान पते के बारे में अवश्य सूचना दें।

एको ऑफ हिज़ कॉल सेवकाई १६ भाषाओं की मासिक पत्रिका हमारे वेबसाइट पर भी उपलब्ध है। आप इस साइट पर जाकर और उसे डाऊनलोड करके उसे पढ़ सकते हैं और आशीष पा सकते हैं।

आपके पत्र, प्रार्थना अनुरोध और आपकी आर्थिक सहायता (मनी ऑर्डर, चेक या डिमांड ड्राफ्ट, एनईएफटी, पेपॅल को(Sam Selva Raj, sam@echoofhiscall.org) PhonePe (98410 71858), Gpay (98410 71858), Western Union, MoneyGram, etc.) कृपया निम्नलिखित पते पर भेजी जा सकती है।

कृपया अपना **लैंड लाईन फोन/सेल फोन क्रमांक और ई-मेल पत्ता** आवश्यक सुधार/अद्यतनीकरण के लिए भेजें।

Our address :
ECHO OF HIS CALL
10, MOHAMMED ABDULLAH 2ND STREET, CHEPAUK, CHENNAI - 600 005, INDIA
PH: (+91-44) 2852 8282, 2852 9293, 2854 7766/ Cell: (+91) 98410 71852, 95661 31858 / E.mails: sam@echoofhiscall.org / biblecor@yahoo.co.in
Websites: www.echoofhiscall.org / www.stpaulsmatriculation.org

YOU CAN SEND YOUR DONATION ONLINE ALSO

Regd. with the RNI under No . 63656/95
Licenced to post without pre-payment
Postal Regn. No. TN/CH (C) /202/24-26
Licence No. WPP. No. TN/PMG(CCR)/WPP-222/24-26
Date of Publication: Second week of every month
Date of Posting : 8th & 9th of every month
Posted at "Egmore RMS Patrika Channel"
on 9th JULY 2025
If un-delivered please return to:
ECHO OF HIS CALL (HINDI)
P.O. Box No. 2957, Chepauk, Chennai - 600 005, INDIA.
Phone: (+ 91- 44) 2852 8282, 2852 9293, 2854 7766

JESUS LOVES YOU!

To

GOD BLESS YOU!

Owned and published by **S. Sam Selva Raj** from New No. 8 & 10, Old No.18 & 19, Mohammed Abdullah 2nd Street, Chepauk, Chennai-600 005 and printed by **S. Sam Selva Raj** at **Echo of His Call Printers,** New No. 8 & 10, Old No.18 & 19, Mohammed Abdullah 2nd Street, Chepauk, Chennai-600 005. Editor: **S. Sam Selva Raj.**